K22P 1333

Reg. No. : .....

Name : .....

III Semester M.A. Degree (CBSS – Reg./Sup./Imp.) Examination, October 2022
(2019 Admission Onwards)
Hindi Language and Literature
HIN3 C13 : MODERN HINDI SHORT STORIES

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

I. **निर्देश : 3** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए । **(3×2=6)**

1) हिन्दी कहानी के विकास यात्रा में पत्रिकाओं के योगदान क्या हैं ?

2) समांतर कहानी से क्या तात्पर्य है ?

3) प्रेमचन्द को कहानी सम्राट क्यों कहा गया है ?

4) कृष्णासोबती द्वारा रचित किन्हीं चार कहानियों के नाम लिखिए ।

5) पारिस्थितिक कहानी से क्या तात्पर्य है ?

II. **निर्देश : 4** प्रश्नों के संक्षिप्तात्मक उत्तर दीजिए । (अधिकतम **150** शब्द) : **(4×5=20)**

6) निर्मल वर्मा की भाषा शैली ।

7) पिता कहानी में चित्रित समस्या ।

8) जनवादी कहानी ।

9) कथाकार उदयप्रकाश ।

10) प्रेमचन्द का आदर्शोन्मुख यथार्थवाद ।

11) जूठन कहानी में अभिव्यक्त दलित चेतना ।

III. **निर्देश : 3** प्रश्नों पर निबंध लिखिए । (अधिकतम **300** शब्द) : **(3×12=36)**

12) समकालीन कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

13) नई कहानी ।

P.T.O.

14) प्रेमचन्द की कहानियाँ और सामाजिक यथार्थ ।

15) कहानीकार की प्रतिबद्धता ।

16) प्रेमचन्दोत्तर युग में नई कहानी के शैली पक्ष को नवीन दिशाएँ मिली समर्थ कीजिए ।

IV. **निर्देश : 3** प्रश्नों के सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(3×6=18)**

1) लड़की के चेहरे की सरलता से उसकी मां का हृदय पिघल उठा. उसकी घुंघराली लटों को हाथ से सहलाते हुए आया कहने लगी, 'बैरी की आंख में राई-नोन ! हाय मेरी मिस साहब, तुम ऐसे आदमी थोड़े ही हो ! . . .भूख से मरते हैं कमीने आदमियों के बच्चे.'

2) सहसा उसका हाथ कड़ा हो गया, उसकी मुट्ठी डाओ के हत्थे पर भिंच गयी । दूसरे हाथ से उसने बत्तख का गला पकड़ लिया और दीवार के पास खींचते हुए डाओ के एक झटके से काट डाला । उसी अनदेखते अचूक निश्चय से उसने दूसरी बत्तख का गला पकड़ा, भिंचे हुए दांतों से कहा, 'अभागिन !' और उसका सिर उड़ा दिया । फिर तीसरी, फिर चौथी, पांचवीं . . ग्यारह बार डाओ उठी और 'खट्' के शब्द के साथ बाड़े का खम्भा कांपा ।

3) उसे चकमा देने के लिए चार आँखें चाहिए । तीन महीने हुए एक तुर्की मौलवी मेरे गाँव में आया था । औरतों को बच्चे होने का ताबीज बाँटता था और बच्चों को दवाई देता था । चौधरी बड़ के नाचे मंजा बिछाकर हुक्का पीता रहता था और कहता था कि जर्मनी वाले बड़े पंड़ित हैं । वेद पढ़-पढ़ कर उसमें से विमान चलाने की विद्या जान गए हैं । गौ को नहीं मारते । हिन्दुस्तान में आ जायेंगे तो गोहत्या बन्द कर देंगे ।

4) हरा होने से क्या, उखट तो गया है । वह स्वयं भी तो एक उखटा हुआ पेड़ है, न फल का, न फूल का, सब व्यर्थ ही तो है, जो कुछ सोचा, उस पर कभी विश्वास न कर पाया ।

5) अपने किसी अभिन्न मित्र या भाई को भी वह इतनी ही तत्परता से गले लगाता । वह अपनी दीनता से आहत न था, जिसने आज उसे इस दशा को पहुँचा दिया । नहीं, इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिये थे और उनका एक-एक अणु प्रकाश से चमक रहा था ।